

Name: _____ Date: _____

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

प्रश्न-1 पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर

प्रश्न-2 क्या चिट्ठियों की जगह कभी फेक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

प्रश्न-1 पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर पत्रों का अपना अलग महत्व है। पत्रों द्वारा हम अपने मनोभावों को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं लेकिन फ़ोन, एसएमएस द्वारा केवल कामकाजी बातों को संक्षिप्त रूप से व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों को हम अपने सगे-सम्बंधियों की धरोहर के रूप में सहेज कर रख सकते हैं। परन्तु फ़ोन या एस.एम.एस को हम सहेज कर नहीं रख सकते हैं। पत्रों से आत्मीयता झलकती है। इन्हें अनुसंधान का विषय भी बनाया जा सकता है। इन्हें बार बार पढ़ा जा सकता है।

प्रश्न-2 क्या चिट्ठियों की जगह कभी फ़ैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर प्रत्येक वस्तु का अपना एक अलग महत्व होता है। फ़ैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल जैसे तकनीकी माध्यम केवल काम-काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं। यह सही है कि खास तौर पर बड़े शहरों और महानगरों में संचार साधनों के तेज़ विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की आवाजाही प्रभावित हुई है पर देहाती दुनिया आज भी चिट्ठियों से ही चल रही है। फ़ैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ने चिट्ठियों की तेज़ी को रोका है पर व्यापारिक डाक की संख्या लगातार बढ़ रही है।